issues, including the issue of Jammu & Kashmir, through the composite dialogue process: refrain from intervention and interference in each other's internal affairs; combat the menace of terrorism in all its forms and manifestations; protect human rights; take immediate steps to reduce the risk of accidental or unauthorised use of nuclear weapons and to discuss security concepts and doctrines with a view to elaborating measures for confidence building in the nuclear and conventional fields, aimed at prevention of conflict; and reaffirm their commitment to the objectives of SAARC and to work towards the realisation of the SAARC vision for the year 2000 and beyond with a view to promoting the welfare of the peoples of their countries.

The Memorandum of Understanding signed by the Foreign Secretaries contains details of the confidence building measures that the two countries intend to put into place. It has been agreed that, where .required, the technical details of these measures will be worked out by experts of the two sides in meetings to be held on mutually agreed dates before mid-1999 with a view to reaching bilateral agreements.

In the Joint Statement issued on 21 February 1999, it was also decided that the two Foreign Ministers would meet periodically to discuss all issues of mutual concern, that the two sides would undertake consultations on WTO related issues with a view to coordinating their respective positions and also that they would determine areas of cooperation in information technology, in particular, for tackling the problem of Y2K. In addition, two sides also decided to hold consultations with a view to further liberalising the visa and travel regimes and to appoint a two-member committee at Ministerial level to examine humanitarian issues relating to civilian detainees and missing PoWs.

योजना आयोग के उपाध्यक्ष की विदेश यात्राएं

2704. **श्री चीमनभाई हरीभाई शुक्ला :** क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि **:**

(क) योजना आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष द्वारा अब तक किन-किन देशों की कितनी बार यात्राएं की गई हैं,

(ख) उनकी विदेश यात्रा का उद्देश्य क्या था और उनकी यात्राएं किस हैसियत से आयोजित की गई थी,

(ग) उनकी प्रत्येक यात्रा पर कुल कितना सरकारी खर्च हुआ था और इस खर्च को योजना आयोग अथवा केन्द्रीय मंत्रीमंडल द्वारा वहन किया गया हैं, और

(घ) तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं ?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती वसुन्धरा राजे) : (क) और (ख) योजना आयोग के तत्कीन उपाध्यक्ष ने निम्नलिखित देशों की यात्रा की थी **:**

संयुक्त राज्य अमरीका – 7 – 12 जून, 1998

जर्मनी – 8 -13 जुलाई, 1998

फिलीपिन्स और श्रीलंका – 27 – 13 जुलाई, 1998

संयुक्त राज्य अमरीका, फ्रांस और यू0 के0 – 22 सितम्बर से 2 अक्तूबर, 1998

इटली – 17 - 23 नवम्बर, 1998

तत्कालीन उपाध्यक्ष ने जून, 1998 में संयुक्त राज्य अमरीका की यात्रा नशीले पदार्थों पर संयुक्त राष्ट्र महासभा के 20वें विशेष सत्र में भारतीय शिष्टमण्डल के अध्यक्ष के रूप में की थी । उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 20वें विशेष सत्र में भारतीय शिष्टमण्डल के अध्यक्ष के रूप में की थी । उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभ को भी संबोधित किया था । वे सितम्बर, 1998 में संयुक्त राष्ट्र महा सभा के 53वें सत्र में भाग लेने के लिए प्रधान मंत्री के नेतृत्व में गए शिष्टमण्डल के सदस्य भी थे । अपनी यात्रा के दौरान उपाध्यक्ष ने जी-77 की 22वीं वार्षिक मंत्री-स्तरीय बैठक में भी भाग लिया ।

तत्कालीन उपाध्यक्ष ने जुलाई, 1998 में मनीला में आयोजित आसियान क्षेत्रीय मंच की बैठक और आसियान पश्च-मंत्री परामर्श में भारतीय शिष्टमण्डल का नेतृत्व, किया ।

भूतपूर्व उपाध्यक्ष ने जुलाई, 1998 में सार्क के 10 वें शिक्षर सम्मेलन मेंप्रधान मंत्री के शिष्टमण्डल के भाग के रूप में श्रीलंका की यात्रा की ।

तत्कालीन उपाध्यक्ष की अगस्त, 1998 में संयुक्त राज्य अमरीका की ओर जुलाई और नवम्बर, 1998 में क्रमशः जर्मनी और इटली की यात्राएं मुख्यतया मई, 1998 में भारत द्वारा किए गए नाभिकीय परीक्षणों पर

अमरीकी प्रक्रिया से पैदा हुई स्थिति से निपटने के लिए अमरीकी डिप्टी सेक्रेटरी ऑफ स्टेट स्ट्रॉब तालबोट के साथ द्विपक्षीय बातचीत करने के लिए गई थीं।

तत्कालीन उपाध्यक्ष ने सितम्बर और अक्तूबर, 1998 में फ्रांस और अमरीका की यात्राएं भारत द्वारा किए गए नाभिकीय परीक्षणों की आवश्यकता और तर्क-संगतता बताने के लिए इन देशों के नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें करने के लिए की थी।

तत्कालीन उपाध्यक्ष ने उपरोक्त यात्राएं प्रधान मंत्री के विशेष दत के रूप में की थी।

(ग) और (घ) उपरोक्त यात्राओं के संबंध में विमान किराया, होटल आवास और दैनिक भत्ते पर हुआ व्यय नीचे दिया गया हैं,

अमरीका (जून, 1998) लन्दन में मार्गस्थ प्रवास सहित)	6,20,590/- रुपये
जर्मनी (जुलाई, 1998)	1,79,589/- रुपये
फिलोपिन्स और श्रीलंका (जुलाई, 1998)	99,530/- रुपये
अमरीका (अगतस्त, सितम्बर, 1998) (तन्दन में मार्गस्थ प्रवास सहित)	8,48,892/- रुपये
अमरीका, फ्रांस और यू0 के0 (सितम्बर, अक्तूबर, 1998)	10,40,388/- रुपये
इटली (नवम्बर, 1998) (लन्दन में मार्गस्थ प्रवास सहित)	5,50,220/- रुपये

योजना आयोग के तत्कालीन उपाध्यक्ष की यात्राओं पर हुआ व्यय योजना आयोग के बजट में से किया गया था।

Own Website of India House in London

2705. SHRI SURESH KALMADI: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pelased to state:

(a) whether it is a fact that India House in London propose to launch its own web-site; and

(b) if so, in what way it will benefit the Indian community in the United Kingdom?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI JASWANT SINGH): (a) Yes, Sir.

(b) The Web-site of the High Commission of India, London, will disseminate information about India as a destination for business, tourism and contracts in other fields. The web-site's hyper-links will provide access to a large data base on the Government of India's-policies and programmes, as well as on investment opportunities in the country. It will also enable the Indian community and the general public in the United Kingdom to get information pertaining to consular and visa services of the High Commission.

Ties between India and Yemen

2706. SHRI SURESH KALMADI: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that India and Yemen have agreed to diversify tics; and

(b) if so, what are the details of areas where the two countries will work together?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI JASWANT SINGH): (a) and (b) Our relations with Yemen date back to ancient times. In recent years, there has been a healthy growth in bilateral economic cooperation, particularly in the areas of trade, joint ventures, provision of consultancy services, etc.

Bilateral Foreign Office Consultations took place on 4-5 March, 1999, 'while on 13-14 March, 1999, the President of Yemen, Mr. Ali Abdullah Saleh, visited Delhi at the head of a high-level delegation, and had detailed discussions with Prime Minister. The energy sector was identified as the most promising area for future cooperation between the two countries, with " Indian companies participating in the development of Yemen's hydro-carbon resources and India importing LNG from Yemen. Both leaders also agreed that bilateral tics would also be enhanced in other areas such as trade, telecommunications, civil aviation, construction, power, small industry, science and technology, agriculture, education and culture.